Patrika (Indore), 20th October 2022, Patrika Xpose, Page – 04

आइआइटी दिल्ली में हुआ अखिल-आइआइटी आरएंडी शोकेस मेला

इन्वेंटिव में छाया आइआइटी इंदौर का माइक्रो थ्रीडी प्रिंटर

XPOSE रिपोर्टर
xpose.indore@epatrika.com

इंदौर. आइआइटी दिल्ली में पहले अखिल आइआइटी आरएंडी शोकेस इन्वेन्टिव का आयोजन किया गया। उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र ने किया। इन्वेन्टिव में सभी 23 आइआइटी को 25 प्रोजेक्ट जमा करने थे और उनमें से 75 परियोजनाओं और विविध विषयों पर 6 शोकेस परियोजनाओं को इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया।

इन्वेन्टिव में आइआइटी इंदौर का प्रोजेक्ट द्यलघु उपकरणों और संरचनाओं के निर्माण के लिए लेजर असिस्टेड माइक्रो थ्री डी प्रिंटरद्य को चुना गया। इस टीम का नेतृत्व प्रो आइए पलानी ने किया। उन्होंने बताया कि इस उपकरण को मल्टी-लेयर और मल्टी-मटेरियल प्रिंटिंग के लिए पतली फिल्मों से बिना मास्क के निर्माण की क्षमता के साथ विकसित किया है। यह तकनीक उद्योगों को मास्किंग की प्रक्रिया को खत्म करने और बाद में अशुद्धियों को दूर करने के साथ सामग्री के जमाव को खत्म करने में सक्षम बनाएगी। इस प्रकार प्रोटोटाइप के विकास में लागत और समय को कम करेगा।

परियोजना में 9 के पैमाने में 7 का प्रौद्योगिकी तैयारी स्तर (टीआरएल) है और एक पेटेंट भी दायर किया गया है। यह मशीन पूरी तरह से स्वदेशी है और इन-हाउस विकसित की गई है। इन्वेंटिव में सभी प्रोजेक्ट्स को मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ जोड़ा गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ), फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) और नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैस्कॉम) के छात्रों, वैश्विक आइआइटी के पूर्व छात्रों, विभिन्न सीएफटीआई के संकायों, डीआरडीओ, इसरो, सीएसआइआर और आइसीएआर के वैज्ञानिक के साथ, प्रतिनिधियों की मेजबानी की गई।